

ॐ । हृत्कृतकमहिवर्षद्वयवर्षाभ्याम् । ।



॥ अथैवमप्युच्यते ॥

7551

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

འཕྲིན་ལྷན་པུ་ཁུངས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པུ་ཁུངས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པུ་ཁུངས་

卷之四

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥

१७८३२४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

|མཐོང་མཐོང་རྒྱ་དཔེ་ཕྱི་ནང་དང་ས་རུ་བ།

五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ श्रीमद्भगवद्गीता ॥

[illegible]

॥३॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

[illegible]

ཡངས་བྱུང་ཆོར་དེངས་ལུང་དཔག་དན་འཁོར་བཅུ་།

འཕགས་པ་ཅན་ལྟ་བུ་ལྟོས་པའི་ལྷན་པའི་ལྷན་པ་

2021

[illegible]

1871

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥